बच्चों के लिए

आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए

सेंडाई रूपरेखा

SENDAI FRAMEWORK FOR DISASTER RISK REDUCTION

ACKNOWLEDGEMENT

The Hindi translation of this book has been prepared by Retrota Technology Private Limited in collaboration with SAADRI and IIT Roorkee. The coordinator of the Hindi translation is Professor Mahua Mukherjee, the reviewer is Professor Piyush Srivastava, and the translators are Kumar Abhinay, Shivani Chouhan, and Debaleena Roy. The Hindi translation of this booklet has been done with the financial support of UNDRR.

© SAADRI 2023

चिल्ड्रन इन चेंजिंग क्लाइमेट के बारे में:

चिल्ड्रन इन चेंजिंग क्लाइमेट (CCC) गठबंधन प्रमुख बाल-केंद्रित विकास और मानवतावादी संगठनों की साझेदारी है, जिनमें से प्रत्येक बच्चों के साथ ज्ञान साझा करने, समन्वय करने और परिवर्तन के सहायकों के रूप में काम करने की प्रतिबद्धता के साथ, उनकी तैयारी की क्षमता को पूरी तरह से मान्यता देता है। झटकों और तनावों के लिए प्रतिक्रिया करें। सीसीसी का कार्य वैश्विक समझौतों में बच्चों के अधिकारों की वकालत करना और उन्हें बढ़ावा देना है। गठबंधन के सदस्य चाइल्डफंड एलायंस, प्लान इंटरनेशनल, सेव द चिल्ड्रेन, यूनिसेफ और वर्ल्ड विजन इंटरनेशनल हैं।

आभार

सबसे पहले, उन बच्चों को विशेष धन्यवाद जिन्होंने इस पुस्तिका के संचालन में भाग लिया, और अपनी टिप्पणियों और सुझावों से इसे बेहतर और मजबूत बनाया। साथ हीं, चाइल्डफंड इथियोपिया, प्लान फिलीपींस, सेव द चिल्ड्रेन मोजाम्बिक, और वर्ल्ड विजन घाना कार्यालयों को भी धन्यवाद् जिन्होंने इस अभ्यास को सुविधाजनक बनाया।

साथ ही, चाइल्ड फंड एलायंस से सोलेन एडौर्ड और सारा स्टीवेन्सन; प्लान इंटरनेशनल से जैकोबो ओचरन और एलिसन राइट; सेव द चिल्ड्रन से निक हॉल, किर्सी पेल्टोला और वेन उलरिच; यूनिसेफ से जेन एम. चुम और एंटनी स्पाल्टन; वर्ल्ड विज़न से सेड्रिक होएब्रेक, मैगी इब्राहिम और टिफ़नी ताओ जॉइनर को भी धन्यवाद जिन्होंने इस पुस्तिका के पहले ड्राफ्ट पर प्रतिक्रिया प्रदान की।

हिंदी अनुवाद SAADRI और IIT रूड़की के सहयोग से रेट्रोटा टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड दवारा तैयार किया गया है। हिंदी अनुवाद की संयोजिका (Convener) प्रोफेसर महुआ मुखर्जी, समीक्षक (Reviewer) प्रोफेसर पियूष श्रीवास्तव और अनुवादक (Translator) कुमार अभिनय, शिवानी चौहान और देबलीना रॉय हैं। इस पुस्तिका का हिंदी अनुवाद UNDRR के वित्तीय सहयोग से किया गया है।

SAADRI

South Asia Alliance of Disaster Research Institutes

वे सभी
बच्चें
जो हमारी
दुनिया की
चिंता करते हैं,
वो असली
SUPERHERO
महानायक
है।

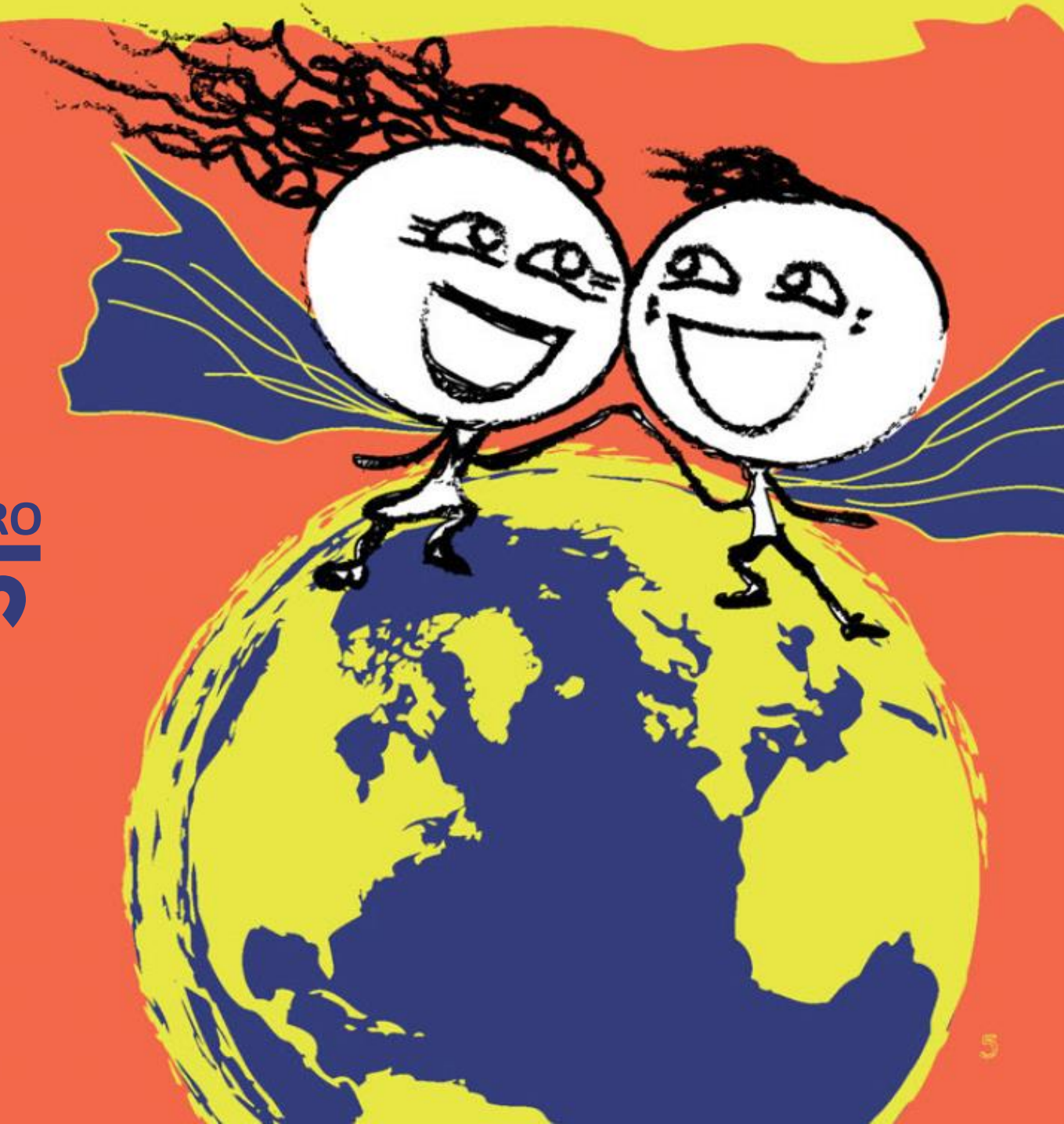

हर साल

175 करोड़

बच्चे
दुनिया भर में
आपदाओं से प्रभावित होते है।[1]

अकेले
2014 में,
आपदाओं और आपात
स्तिथियों की वजह से,

90 लाख

लड़कियों और लड़को
को मजबूरन स्कूल
छोड़ना पड़ा।[2]

जहां आप रहते हैं वहाँ आपके पास वयस्कों को उन विशिष्ट जोखिमों और खतरों के बारे में बताने के लिए बहुत कुछ है,और किसी संकट से पहले और बाद में परिवारों, स्कूलों और समुदायों को सुरक्षित बनाने में योगदान देने के लिए बहुत कुछ है।

जो बच्चे खतरों को समझते हैं, जो सशक्त हैं और जिनकी बात सुनी जाती है, वे अपनी सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जब बच्चे बोलते हैं और उनकी ज़रूरतों को प्राथमिकता दी जाती है, तो वे आपदा के बाद दीर्घकालिक विकास में योगदान देते हैं और सभी के लिए सुरक्षित समुदाय का निर्माण करते हैं।

यह पुस्तिका आपदा जोखिम न्यूनीकरण के बारे में है - किसी खतरे के आपदा में बदलने की संभावना को कम करने के लिए मिलकर काम करना, आपदा के लिए तैयार रहना जब वे घटित हो। आपदा जोखिम में कमी राष्ट्रीय सरकार, स्थानीय सरकार और आपके समुदायों और परिवारों के स्तर पर होनी चाहिए। इसका मतलब है कि सभी को शामिल करना और सुनना - बच्चों और युवाओं, और विशेष रूप से उन लोगों को जो अक्सर छूट जाते हैं।

दुनिया भर में, लोग आपदा जोखिम न्यूनीकरण के महत्व के बारे में जागरूक हो रहे हैं। दुनिया को सुरक्षित बनाने के लिए 15-वर्षीय योजना पर सहमति व्यक्त करने के लिए विभिन्न देशों की सरकारें 2015 में एक साथ आईं। इसे कहा जाता है

आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए

सेंडाई रूपरेखा

क्योंकि यह बैठक जापान के सेंडाई नामक शहर में हुई थी। यह पुस्तिका आपको और आपके दोस्तों को सेंडाई फ्रेमवर्क को समझने और योजना को वास्तविकता बनाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका को समझने में मदद करेगी।

इससे पहले की हम

सेंडाइ फ्रेमवर्क

के बारे में बात करें,

हमें

आपदाओं, जोखिमों और खतरों

को समझने की आवश्यकता है।

सबसे अधिक भेद्य (असुरक्षित) कौन है?

प्रतिरोधक्षमता से हमारा क्या मतलब है?

और बाल अधिकारों का इन सब से क्या लेना-देना है?

DISASTER

आपदाओं को समझें

आपके चारो तरफ आपने ये देखा होगा कि प्रकृति हमेशा गतिशील और बदलती रहती है। जहाँ आप रहते हैं, उसके आधार पे वहां किसी दिन धुप , किसी दिन बारिश या किसी दिन बर्फ़बारी हो सकती है। आपने देखा होगा कि आपके आस पास के वृक्ष गिर जाते हैं, समुद्र में जल स्तर ऊपर-नीचे हो जाता है, तो कभी पृथ्वी कांप उठती है।

क्या है ख़तरा ?

HAZARD

खतरा एक ऐसी प्राकृतिक या मानव निर्मित घटना या प्रक्रिया है , अगर सावधानी ना बरती जाये , जो लोगों की सम्पति - सामन और उनके पर्यावरण को नुक्सान पहुंचा सकती है।

खतरे विभिन्न प्रकार के होते हैं। कुछ प्राकृतिक हैं, जैसे भूकंप, तूफान, ज्वालामुखी, बाढ़, सूखा और भूस्खलन।

अन्य खतरे लोगों के कारण होते हैं, जिन्हें तकनीकी या मानव निर्मित खतरों के रूप में जाना जाता है। इनमें प्रदूषण और यातायात या औद्योगिक दुर्घटनाएँ शामिल हैं।

अभ्यास 1

प्राकृतिक या मानव निर्मित ?

(सुविधाकर्ताओं की टिप्पणियाँ को देखें)

साथ मिलाए चित्रों को नाम और विवरण से

विवरणों के आधार पर इनमें से प्राकृतिक और मानव निर्मित खतरों की पहचान करे।

सुनामी

एक विशाल लहर, जो आमतौर पर समुद्र के नीचे ज्वालामुखी या भूकंप गतिविधि के कारण होती है, जो अंततः तटरेखा से टकरा सकती है। इसका समुदाय पर प्रभाव विनाशकारी हो सकता हैं।

महामारी

एक संक्रामक रोग का बहुत सारे लोगों में तेजी से फैलना।

चक्रवात

सबसे मजबूत उष्णकटिबंधीय तूफान। वे विशिष्ट परिस्थितियों में बनते हैं।

भूकंप

पृथ्वी की सतह बनाने वाली प्लेटों की गति के कारण जमीन का हिलना और कंपन होना।

सूखा पड़ना

जब असामान्य रूप से लंबे समय तक बारिश नहीं होती है और इससे पानी की गंभीर कमी हो जाती है। वे मानवीय गतिविधियों के कारण भी हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, ऊपरी धारा में बांध बनाने से निचली धारा के ग्रामीणों के लिए सूखा पड़ सकता है।

प्लेग

किसी पौधे, जानवर या कीट का तेजी से फैलना जो लोगों, उनकी फसलों या उनके जानवरों को नुकसान पहुंचाता है।

बाढ़

बाढ़ तब आती है जब नदी अपने किनारों को तोड़ देती है और पानी अन्य स्थानों पर फैल जाता है।

हिमस्खलन

तब होता है जब बहुत सारी बर्फ अचानक नीचे की ओर खिसक जाती है।

तकनीकी खतरे

तकनीकी या औद्योगिक परिस्थितियों के कारण उत्पन्न खतरा। उदाहरण के लिए, किसी कारखाने में विस्फोट, रासायनिक रिसाव या परमाणु विकिरण।

भूस्खलन

जब बहुत सारी भूमि और कीचड़ अचानक नीचे की ओर चले जाते हैं।

ज्वालामुखी

तब बनते हैं जब मैग्मा पृथ्वी की सतह तक पहुंचता है, जिससे लावा और राख का विस्फोट होता है।

जंगल की आग

जब जंगल में आग नियंत्रण से बाहर हो जाती है तो जंगल की आग कहते हैं।

जैसा कि आप देख सकते हैं,

कुछ उदाहरण इतने स्पष्ट नहीं हैं।

हम कहते हैं-

बाढ़ एक प्राकृतिक खतरा है

लेकिन कभी-कभी किसी गांव में बाढ़ इसलिए आ जाती है क्योंकि मनुष्य अपना कूड़ा-कचरा नदी में फेंकते हैं या आस-पास के पेड़ो को काट रहे होते हैं ।

हम कहते हैं-

जंगल की आग एक प्राकृतिक खतरा है

लेकिन यह संभव है की ये आग जंगल में किसी के सिगरेट गिराने के कारण हुआ हो ।

अभ्यास २
(सुविधाकर्ताओं की टिप्पणियाँ को देखें)

आपके क्षेत्र में
किस प्रकार के खतरे
सबसे अधिक बार होते हैं?

खेल

खतरों का पता लगाएं अक्षर संग्रह में

धं	हीं	शा	च	मि	छ	की	च	ड़	धं	स	ना	स्व	कं	सु
भू	ड़	स्व	क्र	कं	ली	त्व	गा	कं	ढ़	मि	मि	स्व	कं	ना
कं	ड़	धं	वा	छ	शा	ली	हि	म	स्ख	ल	न	गा	शा	मी
प	ली	त्व	त	मि	कं	ड़	खा	दो	ली	स्व	ड़	धं	छ	ना
धं	दो	स्व	ली	हीं	ड़	गा	छ	छ	क्र	हीं	ना	दो	आ	च
स्	सू	खा	हीं	छ	जं	धं	स्फो	ली	शा	त्व	ली	ड़	च	मि
छ	कं	क्र	मि	खा	ग	कं	ड़	म	स्व	दो	हीं	मि	क्र	मि
ड़	ली	दो	गा	छ	ल	धं	स्व	हीं	हा	स्फो	शा	कं	स्व	धं
बा	ढ़	स्व	त्व	हीं	की	त्व	दो	मि	धं	मा	छ	स्फो	धं	हीं
कं	ली	कं	भू	शा	आ	स्फो	सू	ढ़	कं	खा	री	छ	त्व	दो
ड़	मि	त्व	स्ख	ड़	ग	मि	क्र	ड़	च	स्फो	छ	हीं	गा	ड़
आ	स्व	शा	ल	त्व	हीं	ली	वि	प्ले	छ	सू	त्व	प्ले	ग	मि
मा	पु	स्ख	न	गा	कं	ढ़	रा	स्फो	खा	स्व	कं	च	स्व	स्फो
स्व	स्फो	छ	ली	कं	शा	त्व	धं	त्व	ट	क्र	शा	खा	पी	मि
कं	धं	हीं	मि	सू	त्व	कं	ड़	गा	दो	मि	च	ली	धं	ड़

हिमस्खलन
सूखा
भूकंप
महामारी
विस्फोट
जंगल की आग

बाढ़
चक्रवात
भूस्खलन
कीचड़ धंसना
प्लेग
सुनामी

आपदा

क्या है?

कोई ख़तरा आपदा में बदल सकता है, लेकिन यह ज़रूरी नहीं है । एक ही समय में कई चीजें होनी चाहिए। आइए भूस्खलन का उदाहरण लें:

1 **लोग खतरे के पास अपना घर बनाते हैं।**
उदाहरण के लिए, ज्वालामुखी के तल पर, कीचड़युक्त और अस्थिर ढलान पर, या ठीक समुद्र तट पर।

2 **खतरा का उत्पन्न होना**
उदाहरण के लिए, भारी बारिश और फिर भूकंप, जिसके कारण भूस्खलन होता है।

3 **खतरा एक आपदा में बदल जाता है, जिससे लोगों और उनके सामानों को बहुत नुकसान होता है।**

अभ्यास 3

चित्र को देखो।
खतरे को आपदा में बदलने की संभावना को कम करने के लिए लोग क्या कर सकते हैं?
(सुविधाकर्ताओं के टिपण्णी देखें)

अतः आपदा एक बहुत हीं बुरी घटना है।

चूँकि आपदा के वजह से बहुत से लोग घायल हो जाते हैं या मारे जाते हैं और उनका सामान क्षतिग्रस्त या नष्ट हो जाता है।

आपदा आने पर स्थानीय समुदाय प्रायः अपने बल पर इसका सामना नहीं कर पाते हैं। आपदा आने पर राष्ट्रीय सरकारों और स्थानीय अधिकारियों को लोगों की मदद करना चाहिए। अक्सर, लोगों को आस-पास, दूसरे क्षेत्रों या देशों के अपने पड़ोसियों और दोस्तों से भी मदद की ज़रूरत पड़ती है। ऐसी परिस्तिथि का मतलब होता है कि समुदाय की आपदा से संघर्ष करने की क्षमता पार हो गई है।

आपदा से संघर्ष करने क्षमता का अर्थ है वे सभी सामर्थ, संसाधन और विचार जो समुदाय के लोगों के पास किसी **आपदा के प्रभाव से** अपनी और अपने सामान की रक्षा करने के लिए उपलब्ध हैं।

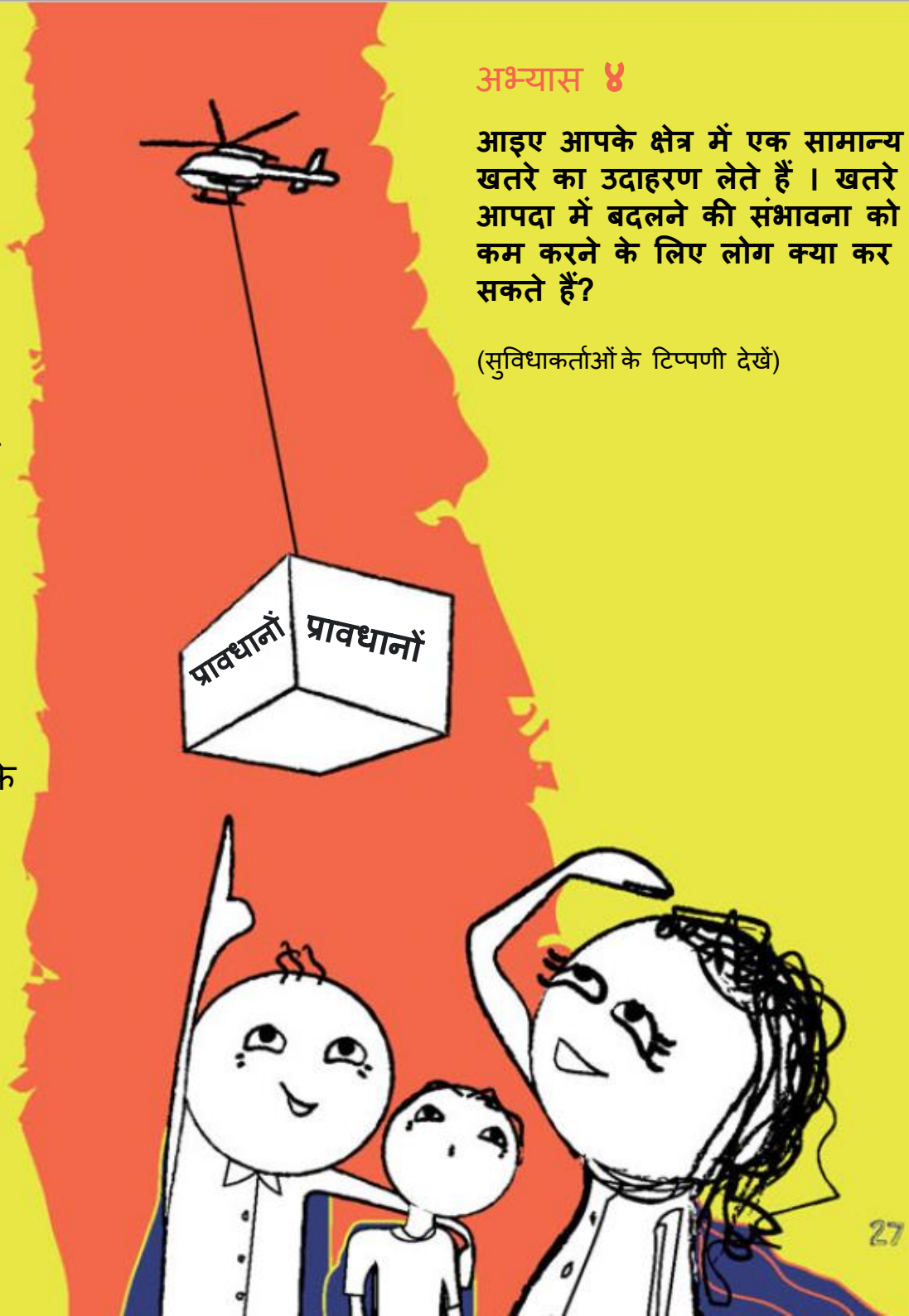

अभ्यास ४

आइए आपके क्षेत्र में एक सामान्य खतरे का उदाहरण लेते हैं । खतरे के आपदा में बदलने की संभावना को कम करने के लिए लोग क्या कर सकते हैं?

(सुविधाकर्ताओं के टिप्पणी देखें)

VULNERABILITY

भेद्यता क्या है ?

कुछ चीजें लोगों, समुदायों, शहरों या देशों को किसी खतरे के हानिकारक प्रभावों का अनुभव करने की दूसरों की तुलना में अधिक संभावना बनाती हैं। इसे ही हम **भेद्यता** कहते हैं।

लोग एक या अनेक कारणों से असुरक्षित हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, बूढ़ा, बीमार, गर्भवती या विकलांग होना आपके समुदाय के कुछ लोगों को अधिक असुरक्षित बनाता है। आप शायद जंगल में आग लगने पर अपनी दादी की तुलना में तेज़ दौड़ सकते हैं। कुछ लोग विशेष रूप से असुरक्षित हो सकते हैं क्योंकि वे चेतावनी सुचना नहीं पढ़ सकते हैं या रेडियो पर दिए गए संदेशों को नहीं समझ सकते हैं। नदी के ठीक किनारे बुरी तरह से निर्मित इमारतों में रहना आपको असुरक्षित बना सकता है, और साथ ही एक नए क्षेत्र में रहना जहाँ आप अपना रास्ता नहीं जानते हैं या भाषा नहीं बोलते हैं।

सबसे गरीब लोग आम तौर पर सबसे अधिक असुरक्षित होते हैं। उदाहरण के लिए, उनके पास कोई विकल्प नहीं है कि वे कहाँ रहें क्योंकि उन्हें अपने काम करने के स्थान के समीप रहने की आवश्यकता है; या वे अपने घर बनाने के लिए मजबूत सामग्री नहीं खरीद सकते। साथ ही, उन्हें अक्सर यह नहीं सिखाया जाता कि किसी खतरे को आपदा में बदलने से कैसे रोका जाए, या आपदा आने पर कैसे प्रतिक्रिया दी जाए। पुलिस, अग्निशमन विभाग और सरकारों को यह सुनिश्चित करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है कि कमजोर लोग प्रभावित न हों।

जब हम **एक्सपोज़र** के बारे में बात करते हैं तो हमारा मतलब उन लोगों और उनके सामानों की संख्या से है जो खतरनाक क्षेत्रों में संकट का सामना करते हैं। जलवायु परिवर्तन और किसी क्षेत्र में रहने के लिए अधिक लोगों के आने जैसी चीज़ें खतरे को बढ़ा सकती हैं।

जैसा कि आप देख सकते हैं

कुछ प्रकार की भेद्यता को रोका जा सकता है, जबकि अन्य को नहीं। यह सोचना महत्वपूर्ण है कि आपके समुदाय में कौन असुरक्षित है ताकि आप उनकी मदद कर सकें। एक समुदाय जो आपस में मिलते जुलते हैं और साथ मिलकर काम करते हैं और अपने सामने आने वाले खतरों के बारे में बात करते हैं, उस समुदाय की तुलना में आपदाओं के प्रति कम संवेदनशील होते हैं जो संभावित खतरों पर आपस में चर्चा नहीं करते हैं।

अभ्यास **5**

अपने समुदाय के बारे में सोचें. सबसे असुरक्षित कौन हैं? कल्पना कीजिए कि आपको एक एसएमएस चेतावनी मिलती है कि आपके इलाके में बाढ़ आने वाली है । सबसे भेद्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आप क्या करेंगे?

(सुविधाकर्ता के नोट्स देखें)

जोखिम RISK क्या है ?

जोखिम किसी खतरे को एक आपदा में बदल जाने की संभावना है ।

हम हमेशा खतरों को रोक नहीं सकते। लेकिन हम खतरों के आपदाओं में बदलने की संभावना को कम कर सकते है।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण यही है । उदाहरण के लिए, हम इमारतों का निर्माण कुछ निश्चित तरीकों से या कुछ विशेष सामग्रियों का प्रयोग करके कर सकते हैं जिससे तूफान में घरों और स्कूलों के गिरने की संभावना कम हो । इसी प्रकार पेड़ों के कटना बंद हो जाने से भूस्खलन की संभावना कम हो जाएगी।

आपदा जोखिम में कमी से समुदायों और देशों को दीर्घावधि में मदद मिलती है - जिसे हम **सतत विकास** कहते हैं। उदाहरण के लिए, एक नदी जिसे साफ रखा जाता है क्योंकि लोग अपना कूड़ा-कचरा नहीं डालते हैं, इससे गांव में बड़ी बाढ़ आने की संभावना कम होती है, साथ ही लंबी अवधि में यह बेहतर भी होती है क्योंकि साफ पानी लोगों के पीने, खाना पकाने , नहाने एवं कपड़े धोने के काम आता है । नदी में साफ़ पानी होने से ग्रामीणों के लिए खाने और बाज़ार में बेचने के लिए और अधिक मछलियाँ होंगी।

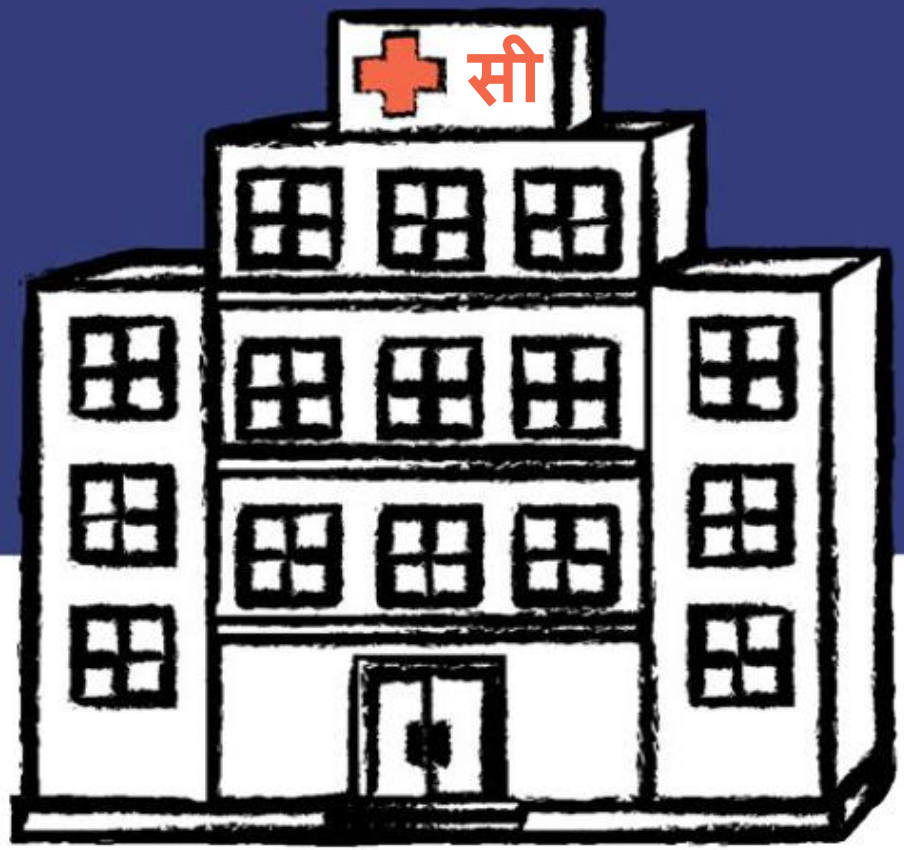

खेल

अक्षरों को सही क्रम में व्यवस्थित करे।

संकेत:
पता लगाएं कि किस कारण से कई समुदायों में मिट्टी के कटाव, कीचड़ और बाढ़ के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है?

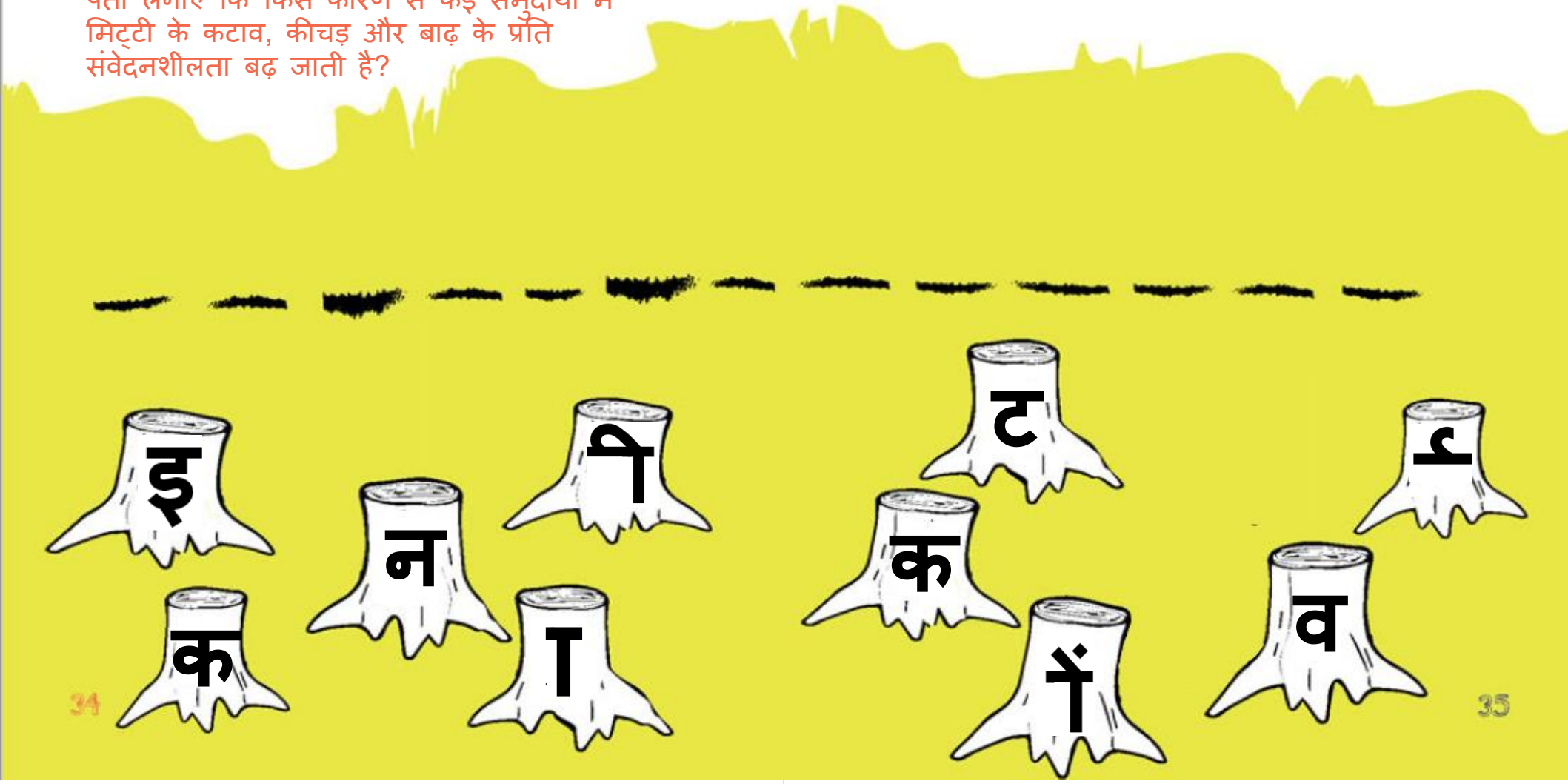

अब आप

ख़तरे, आपदा, भेद्यता और जोखिम

के बारे में जानते है।

अब हम

आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई रूपरेखा

के बारे में बात कर सकते हैं।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई ढांचा किसके लिए है?

सेंडाई रूपरेखा प्राकृतिक और मानव निर्मित सभी प्रकार के खतरों पर लागू होता है। यह हर किसी पर, हर जगह लागू होता है: राष्ट्रीय और स्थानीय सरकारों, समुदायों और दुनिया भर के परिवारों पर। सरकारों और प्रमुखों की लोगों की सुरक्षा करने की एक महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी है, लेकिन बाकी सब की भी ज़िम्मेदारी हैं। वैसे समुदाय जो मिल - जुलकर रहते हैं , जहां हर कोई एक-दूसरे की बात सुनता है और एक-दूसरे का ख्याल रखता है, वे आपदाओं के प्रति कम संवेदनशील होते हैं और आपदा आने पर अधिक लचीले या सुरक्षित होते हैं।

सेंडाई रूपरेखा में NEW नया क्या है ?

सेंडाई रूपरेखा से पहले, आपदा क्षति को कम करने के लिए एक और अंतर्राष्ट्रीय योजना थी - **ह्योगो फ्रेमवर्क फॉर एक्शन।**

इसे 2004 के हिंद महासागर सुनामी के बाद 2005 में सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों, आपदा विशेषज्ञों और अन्य लोगों द्वारा विकसित और सहमत किया गया था। सेंडाई फ्रेमवर्क इन्हीं नेक विचारों पर आधारित है और साथ हीं नए महत्वपूर्ण विचारों को प्रस्तुत करता है।

पहला

यह आपदा प्रबंधन के विपरीत आपदा जोखिम प्रबंधन के महत्व पर जोर देता है। जैसा की हम जानते हैं कि हर खतरा आपदा नहीं होती, परन्तु उस खतरे के आपदा में बदलने के संभावना को जोखिम कहते हैं । इसलिए जोखिमों और उन्हें कैसे कम किया जाए, इस पर बहुत अधिक ध्यान देना चाहिए। यह खतरे को आपदा में बदलने से रोकने का एक अच्छा तरीका है।

दूसरा

सेंडाई फ्रेमवर्क 7 स्पष्ट वैश्विक लक्ष्य निर्धारित करता है और यह जांचने के बारे में बताता है कि हम उन्हें प्राप्त कर रहे हैं या नहीं।

तीसरा

सेंडाई फ्रेमवर्क खतरों की एक बड़ी श्रृंखला के बारे में बात करता है। जैसा कि हम जानते हैं, खतरे प्राकृतिक या मानव निर्मित हो सकते हैं, इसलिए हमें कई प्रकार के संभावित खतरों के बारे में सोचने की जरूरत है। इसके अलावा, सेंडाइ फ्रेमवर्क लचीलेपन के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में स्वास्थ्य और शिक्षा की बात करता है। यह सुनिश्चित करना कि आपके समुदाय के लोग स्वस्थ हैं और खतरे से पहले सूचित हैं, और वे जानते हैं कि स्वस्थ कैसे रहना है और जानकारी तक कैसे पहुँचना है, इसका मतलब है कि वे कम असुरक्षित हैं।

चौथी

सेंडाई फ्रेमवर्क उस भूमिका पर ध्यान देता है जिसे योजना को वास्तविकता बनाने के लिए हर किसी को निभाना है। यह सिर्फ सरकारों और स्थानीय नेताओं के बारे में नहीं है कि उन्हें पता हो कि क्या करना है। आपदा जोखिम न्यूनीकरण हर किसी कि ज़िम्मेदारी है।

आपकी भूमिका ROLE क्या है ?

विश्व भर में, 18 साल से कम उम्र के 2.2 अरब लोग हैं।[3] वयस्कों को आपकी बात सुनने की ज़रूरत है! अनुभव से पता चलता है कि बच्चों के पास अपने समुदायों में जोखिमों और उनसे निपटने के तरीके के बारे में अनोखा ज्ञान और विचार होता है । चाहे आप कोई भी हों, और चाहे जहाँ भी हों - आपको अपने जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णयों में भाग लेने के लिए और सुने जाने का अधिकार है। जब बच्चे, चाहे अकेले या समूह में, आपदाजोखिम न्यूनीकरण के केंद्र में होते हैं- तब गतिविधियाँ बच्चों के लिए और बच्चोंद्वारा होती हैं। बाल-केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण आपके जीवन, शिक्षा और स्वास्थ्य के अधिकारों सहित कई महत्वपूर्ण अधिकारों की पूर्ति को सक्षम कर सकता है। सरकारों, एजेंसियों और आपके समुदायों के अन्य वयस्कों को आपकी बात सुनने की ज़रूरत है ताकि आपकी बेहतर सुरक्षा हो सके, और आपकी ऊर्जा, ज्ञान और विचार सभी की सुरक्षा में मदद कर सकें।

सेंडाई फ्रेमवर्क क्या उम्मीद करती है ?

जब योजना आप जैसे लोगों द्वारा कार्यान्वित की जाएगी, तो इसका मतलब यह होगा कि कम आपदाएँ होंगी। खतरे के आपदा में बदल जाने कि स्तिथि में , यह कम गंभीर होगा और लोग इस से तेजी से उबर पाएंगे।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भविष्य की आपदाएँ कम जीवन लेंगी, कम नौकरियाँ ख़त्म करेंगी और खेतों, घरों, स्वास्थ्य और पर्यावरण को कम नुकसान पहुँचाएँगी।

इसका मतलब यह होगा कि आपदाओं का सभी पर कम गंभीर और कम खर्चीला दीर्घकालिक प्रभाव होगा।

व्यापक लक्ष्य क्या है?

TARGET

व्यापक लक्ष्य नए जोखिम को रोकना और पहले से उपस्थित जोखिम को कम करना है। (याद है? जोखिम वह संभावना है कि कोई खतरा आपदा में बदल जाएगा।)
इसके लिए योजना के तहत यह देखना होगा कि लोगों के जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में क्या , कैसे और किन बदलावों की जरूरत है ताकि उन्हें कम खतरों का सामना करना पड़े, वे आपदाओं के प्रति कम संवेदनशील हों और जब कोई खतरा घटित हो तो वो उससे निपटने के लिए तैयार रहें। इसका मतलब यह है कि उनके अधिक लचीले और मजबूत होने से वे किसी डरावने हादसे से उबरने और वापसी करने में सक्षम होंगे । जैसे कि एक झुके हुए ताड़ के पेड़ की तरह: जब हवा तेज़ होती है तो यह इधर- उधर उड़ जाता है, लेकिन बाद में सब ठीक हो जाता है।

7 स्पष्ट लक्ष्य

लक्ष्य वे हैं जिन्हें हम साथ मिलकर प्राप्त करना चाहते हैं। लक्ष्य हमें यह जांचने में मदद करते हैं कि योजना सही रूप से काम कर रही है या नहीं।

लक्ष्य 1

योजना का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना कि आपदाओं में कम से कम लोगों कि मृत्यु हो। हम 2005-2015 की तुलना में 2020-2030 में प्रत्येक 1,00,000 लोगों में कितनी कम जाने गयी हैं या नहीं, यह देखकर करके योजना के कार्यरत होने की जाँच करेंगे।।

लक्ष्य 2

योजना का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पूरी दुनिया में आपदाओं से कम से कम लोगों का जीवन प्रभावित हो। फिर, हम 2005-2015 की तुलना में 2010-2030 में कितने लोग प्रभावित हुए हैं, इसकी गणना करके इसकी कार्यप्रणाली की जाँच करेंगे।

लक्ष्य 3

आपदाओं से निपटने में, उसके बाद मरम्मत कार्यों में, तथा आर्थिक हानि को कम करना। उदाहरण के लिए, लोगों का काम छूट जाना या दुकानें गिर जाने पर खर्च होने वाली राशि (पैसे) को कम करना।

लक्ष्य 4

सुनिश्चित करें कि आपदाओं से आवश्यक सेवाओं को कम नुकसान हो

जैसे विद्यालयों, अस्पतालों, रेल लाइनों और प्रमुख मार्गों। हम ऐसा उनके लचीलेपन को विकसित करके करेंगे, उदाहरण के लिए, यह सुनिश्चित करना कि 2030 तक सभी विद्यालय मजबूत सामग्री का उपयोग करके ठोस जमीन पर बनाए जाएं।

लक्ष्य 5

सुनिश्चित करें कि 2030 तक ज्यादातर देशों के पास राष्ट्रीय और स्थानीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियाँ हों।

लक्ष्य 6

सुनिश्चित करें कि खतरों को जोखिम में बदलने से रोकने के लिए सभी देश मिलकर काम करें। उदाहरण के लिए, यदि जापान में लोगों के पास भूकंप में इमारतों को सुरक्षित बनाने कि तकनीक है , तो उन्हें इन्हें नेपाल के लोगों के साथ साझा करना चाहिए ताकि वे भी ऐसा ही कर सकें। यदि सेंट लूसिया में लोग अपनी फसलों के बीच खाई खोदने के बारे में जानते हैं ताकि भारी बारिश के कारण भूस्खलन न हो, तो उन्हें ग्वाटेमाला में लोगों के साथ इन विचारों को साझा करना चाहिए।

लक्ष्य 7

उन लोगों की संख्या बढ़ाएँ जो पूर्व चेतावनी प्रणालियों (अर्ली वार्निंग सिस्टम) का इस्तेमाल कर सकें और उसे समझ सकते हैं। इसका मतलब है कि लोगों को आपसी सहयोग करने और जानकारी साझा करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, यदि एक द्वीप के लोगों को पता है कि तूफान आने वाला है, तो उन्हें यह जानकारी रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया पर साझा करनी चाहिए।

4 PRIORITIES

प्राथमिकताएँ कार्यवाही के लिए

1 आपदा जोखिम को समझना.

सेंडाई फ्रेमवर्क का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि आप जैसे लोग आपदाओं, खतरों, जोखिमों और भेद्यता को समझें। इससे हर किसी को खतरों को पहचानने, खतरों के लिए तैयारी करने और उन्हें आपदा बनने से रोकने और खुद को, दूसरों को और अपने सामान को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

2 आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए आपदा जोखिम प्रशासन को मजबूत करना।

सेंडाई फ्रेमवर्क का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि आपदाओं के समय स्थानीय नेता, सरकारें, प्रमुख और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां बेहतर ढंग से संगठित हों। उन सभी के पास आपदाओं को होने से रोकने के लिए और आपदा आने पर प्रतिक्रिया देने के लिए स्पष्ट योजनाएँ और काम करने के स्थापित तरीके होने चाहिए।

3 लचीलेपन के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण में निवेश करना।

सेंडाई फ्रेमवर्क का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक (जैसे सरकारें) और निजी (जैसे परिवार, व्यवसाय) दोनों संस्थाओं द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर पर्याप्त धन खर्च किया जाए। यह मानता है कि लंबी अवधि में पैसा खर्च करने का यह एक अच्छा तरीका है क्योंकि यह सतत विकास में योगदान देता है। उदाहरण के लिए, वास्तव में अच्छी, मजबूत सामग्रियों से एक नया स्कूल बनाने में थोड़ी अधिक लागत आ सकती है। परन्तु, जब भूकंप आता है, तो मजबूत स्कूल ठीक रहेगा - इसलिए आपकी शिक्षा नहीं छूटेगी, स्कूल का पुनर्निर्माण नहीं करना पड़ेगा, और लंबे समय में पूरा देश बेहतर प्रदर्शन करेगा।

4 प्रभावी प्रत्युत्तर के लिए आपदा तैयारियों को बढ़ाना और पुनर्प्राप्ति पुनर्वास और पुनर्निर्माण में 'बेहतर निर्माण' करना।.

सेंडाई फ्रेमवर्क का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि जब खतरा आए तो हर कोई तैयार रहे, ताकि प्रत्युत्तर अधिक प्रभावी और बेहतर ढंग से व्यवस्थित हों। जब परिवार, समुदाय और देश आपदा में टूटी हर चीज को ठीक कर रहे हैं, तो सेंडाई फ्रेमवर्क का लक्ष्य उन्हें अगली बार 'बेहतर निर्माण' में मदद करना है।

अभ्यास ६

1. खतरे का पता लगाने के लिए जोखिम मानचित्र बनाए।
2. समुदाय के अन्य लोगों को जोखिमों को समझने और सुरक्षित रहने में मदद करे।
3. प्रकृति की रक्षा करे।

(सुविधाकर्ता के टिप्पणियां देखें)

अब आप पर निर्भर करता है!

अंत नोट्स

(1) Webster, Mackinnon et al. (2008), The humanitariancosts of climate change [जलवायु परिवर्तन की मानवीय लागत] (Medford, MA: Feinstein International Center).

(2) Save the Children (2014), No child left behind: Barriers to education in the Asia-Pacific region [सेव द चिल्ड्रेन (2014), नो चाइल्ड लेफ्ट बिहाइंड: एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शिक्षा में बाधाएँ]

(3)UNICEF (2014), The state of the worls's children 2014 in numbers: Every child counts [2014 में विश्व के बच्चों की संख्या की स्थिति: प्रत्येक बच्चा मायने रखता है]

अग्रिम पठन

Movimiento Mundial por la Infancia de Latinoamerica y el Caribe (2015),
The world we want: A young person's guide to the Global Goals for Sustainable Development.
वह दुनिया जो हम चाहते हैं: सतत विकास के लिए वैश्विक लक्ष्यों के लिए एक युवा व्यक्ति की मार्गदर्शिका।
उपलब्ध है: **http://sustainabledevelopment.un.org**.

UNICEF (n.d.),
The little book of Children's right and responsibilities.
बच्चों के अधिकार और ज़िम्मेदारियों की छोटी सी किताब
उपलब्ध है: **http://www.unicef.org**.

UNICEF et al. (n.d.),
The Convention on the Rights of the Child in child-friendly language.
बाल-सुलभ भाषा में बाल अधिकारों पर कन्वेंशन।
उपलब्ध है: **http://www.unicef.org.**

UNICEF (n.d.),
United Nations Secretary-General's study on violence against children adapted for children and young people.
बच्चों के विरुद्ध हिंसा पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव का अध्ययन बच्चों और युवाओं के लिए अनुकूलित है।
उपलब्ध है: http://www.unicef.org.

अब आप

ज्ञान की महाशक्ति को साझा कर सकते हैं और अपने मित्रों, परिवार और समुदाय को आपदा जोखिम न्यूनीकरण के बारे में सिखा सकते हैं।

शब्दावली

Disaster	आपदा
Risk	जोखिम
Hazard	खतरा
Exposure	अनावृति
Vulnerability	भेद्यता
Resilience	लचीलापन
Coping Capacity	मुकाबला करने की क्षमता
Sustainable Development	सतत विकास
Soil Erosion	मिट्टी का कटाव
Prevention	रोकथाम
Technological Hazards	तकनीकी खतरे
Deforestation	वनों की कटाई
Sendai Framework for Disaster Risk Reduction (SFDRR)	आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाइ फ्रेमवर्क
Earthquake	भूकंप
Flood	बाढ़
Hurricane	चक्रवात
Drought	सूखा
Avalanche	हिमस्खलन
Explosion	विस्फोट
Wildfire	जंगल की आग
Plague	प्लेग
Tsunami	सुनामी
Landslides	भूस्खलन
Mudslides	कीचड़ धंसना
Epidemic	महामारी

children in a changing climate

ChildFund
Because we need each other.

PLAN INTERNATIONAL

Save the Children.

unicef

World Vision